जावर माइंस में ग्रामीण स्वास्थ्य के लिए हिन्दुस्तान ज़िंक की पहल

जावर माइंस के आस पास 26 गांवों के लिए मोबाइल हेल्थ वैन की शुरूआत

राजस्थान दर्शन

उदयपुर। स्वास्थ्य सेवा पहुंच में सुधार के लिए संचालित सामुदायिक पहल के रूप में, हिन्दुस्तान ज़िंक ने ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड के सहयोग से जावर माइंस के आसपास के 26 गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए मोबाइल हेल्थ वैन की शुरूआत की। वैन को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं को सीधे समुदायों तक पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और बुनियादी उपचार जैसी सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इस पहल का उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की कमी को पूरा करना और यह सुनिश्चित करना है कि महत्वपूर्ण चिकित्सा सेवाएं उन लोगों तक आसानी से पहुंच सकें जिन्हें उनकी सबसे ज्यादा जरूरत है, जिससे क्षेत्र में समग्र स्वास्थ्य जागरूकता में सुधार हो।

टिडी के सामुदायिक केंद्र में आयोजित इस कार्यक्रम में उदयपुर के मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक आदित्य एवं जावर बिजनेस यूनिट के आईबीयू-सीईओ राम मुरारी ने वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। डॉ. आदित्य ने परियोजना की सराहना की तथा ग्रामीण वर्गों तक पहुंचने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों और सरकारी सेवाओं के बीच सहयोगात्मक प्रयास के महत्व पर बल दिया। उन्होंने समुदाय से बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए वैन की सेवाओं का पूरा उपयोग करने का आग्रह किया। राम मुरारी ने मोबाइल स्वास्थ्य वाहन के शुभारम्भ को सामुदायिक स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में हिन्दुस्तान ज़िंक के सतत प्रयासों में एक मील का पत्थर बताया। कार्यक्रम में निधि यादव - बीसीएमओ, गिर्वा, अमृत मेघवाल, नायब तहसीलदार बारापाल, सरपंच टीडी बंशीलाल मीना, नेवातलाई सरपंच किशन लाल मीणा, लक्ष्मण मीणा सामाजिक कार्यकर्ता अमरपुरा भी उपस्थित थे।

मोबाइल स्वास्थ्य वैन का शुभारंभ दूरदराज के क्षेत्रों में ग्रामीण समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवा को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह सुनिश्चित करता है कि उन्हें मौसमी और सामान्य दोनों बीमारियों के लिए समय पर उपचार और दवाएं मिलें। वर्ष 2018 से, हिंदुस्तान ज़िंक विभिन्न सामुदायिक पहलों के माध्यम से ग्रामीण स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल से भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और उदयपुर के 110 गांवों तक पहुंचकर, कंपनी अनुमानित 1.62 लाख लोगों के जीवन को लाभान्वित करेगी।